

समग्र शिक्षा एवं एलिम्को के सहयोग से आयोजित आकलन शिविर में 66 बच्चों का चिन्हांकन

प्रेमनगर एवं ओड़गी शिविर में कुल 212 दिव्यांग जनों का पंजीयन 31 को कृत्रिम अंग एवं कैलिपर्स का मिला लाभ

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- दिव्यांग जनों के जीवन को सुगम बनाने, तथा दिव्यांग बच्चों की शिक्षा में आने वाली बाधाओं को दूर करने तथा उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा पहल की गई है। इसी क्रम में समग्र शिक्षा जिला कार्यालय के तत्वावधान एवं भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) के सहयोग से दिव्यांग बच्चों के लिए निःशुल्क आकलन एवं मूल्यांकन शिविर रामानुजनगर एवं प्रेमनगर आयोजित किया गया। जहां कुल 66 बच्चों का चिन्हांकन किया गया, जिन्हें उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जायेगा। कलेक्टर एवं मिशन संचालक समग्र शिक्षा श्रीमती रेना जमील तथा जिला



पंचायत सीईओ एवं जिला परियोजना अधिकारी समग्र शिक्षा श्री विजेंद्र सिंह पाटले के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में 6 से 18 वर्ष आयु वर्ग के विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का आकलन एवं मूल्यांकन किया गया। शिविर में एलिम्को संस्था के विशेषज्ञ डॉ. नजमुल फकीर (प्रोस्थेटिक्स एवं ऑर्थोटिक्स) तथा डॉ. सूरजपाल सिंह (ऑडियोलॉजिस्ट) द्वारा बच्चों की

शारीरिक एवं श्रवण संबंधी आवश्यकताओं का आकलन किया गया। मूल्यांकन के आधार पर जरूरतमंद बच्चों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जायेगा, जिससे उन्हें दैनिक गतिविधियों एवं शैक्षणिक कार्यों में सुविधा मिल सकेगी। इस अवसर पर जिला मिशन समन्वयक श्री मनोज कुमार साहू, बीआरसीसी श्री विजय साहू, बीपीओ साक्षर भारत श्री रविनाथ

तिवारी सहित बीआरपी, स्पेशल एजुकएटर, संकुल समन्वयक एवं शिक्षक उपस्थित रहे। दिव्यांगजनों के जीवन को सुगम बनाने जिला प्रशासन की सार्थक पहल, प्रेमनगर एवं ओड़गी में विशेष शिविर आयोजित- इस प्रकार दिव्यांग जनों के लिए समाज कल्याण विभाग एवं एलिम्को के सहयोग से शिविर आयोजित किया जा रहा है जिसमें 28 अक्टूबर 2026 को प्रेमनगर एवं 29 अक्टूबर 2026 को ओड़गी में आयोजित किया गया। विकासखंड प्रेम नगर में कुल 142 दिव्यांग जनों का पंजीयन कर 17 दिव्यांग जनों का कृत्रिम अंग एवं कैलिपर्स निर्माण किया गया तथा 45 दिव्यांग जनों को सहायक उपकरण वितरण हेतु चिन्हांकित किया गया। इसी प्रकार दिनांक 29 अक्टूबर 2026 को विकासखंड ओड़गी में आयोजित शिविर में 70 दिव्यांग जनों पंजीयन कर 14 दिव्यांग जनों का कृत्रिम अंग एवं कैलिपर्स लगाया गया तथा सहायक उपकरण हेतु 30 दिव्यांग जनों का चिन्हांकन किया गया, जिन्हें उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जायेगा। जिला प्रशासन को इस पहल से दिव्यांग

जनों ,बच्चों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी प्रकार 30 अक्टूबर को मंगल भवन, प्रतापपुर में जनपद पंचायत तथा नगर पंचायत प्रतापपुर, जरही एवं भटगांव क्षेत्र के लिए शिविर होगा। 04 नवंबर को मंगल भवन, भैयाथान में, 05 नवंबर को सामुदायिक भवन, कौशलपुर (रामानुजनगर) में तथा 06 नवंबर को मंगल भवन, सूरजपुर में संबंधित जनपद एवं नगरीय निकाय क्षेत्रों के लिए शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में शामिल होने वाले पात्र दिव्यांगजन अपने साथ दिव्यांगता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, यूडीआईडी कार्ड, आय प्रमाण पत्र अथवा बीपीएल राशन कार्ड तथा पासपोर्ट साइज के दो फोटो लेकर निर्धारित तिथि एवं स्थल पर पहुंचें। दस्तावेजों के आधार पर पात्रता का परीक्षण कर आवश्यकतानुसार उपकरणों के लिए चिन्हांकन की कार्यवाही की जाएगी। साथ ही जिनका दिव्यांगता प्रमाण पत्र नहीं बना है इसके लिए सचिवों को सूची उपलब्ध कराने निर्देशित किया गया है ताकि सुविधा का लाभ दिव्यांगजनों को मिल सके।

ई-कचरा प्रबंधन दिवस पर विद्यार्थियों को किया गया जागरूक

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- ईको क्लब फॉर मिशन लाइफ के अंतर्गत सूरजपुर जिले के विद्यालयों में ई-कचरा प्रबंधन दिवस मनाया गया। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देशन एवं जिला शिक्षा अधिकारी अशोक सिन्हा के मार्गदर्शन एवं डीएमसी मनोज साहू के नेतृत्व में विद्यार्थियों को ई-कचरे के दुष्प्रभावों और सुरक्षित निपटान की जानकारी दी गई।

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला पतरपाली एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों को पुराने मोबाइल, बैटरी, चार्जर, कंप्यूटर और अन्य अनुपयोगी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के सुरक्षित प्रबंधन के बारे में बताया। उन्होंने 03 आर सिद्धांत-रिड्यूस, रीयूज, रिसाइकल की जानकारी देते हुए समझाया कि ई-कचरे को खुले में फेंकने या जलाने से मिट्टी, पानी और



वायु प्रदूषित हो सकता है। इसलिए इसे अलग एकत्रित कर अधिकृत रिसायकलर को देना चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय में नारा लेखन एवं प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को नियमित पढ़ाई

करने, जिज्ञासु बनने तथा बिना हिचक शिक्षकों से प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित किया। और वस्तुओं की उपयोगिता और संसाधनों के सदुपयोग का महत्व के बारे में बताया गया और अपने परिवार एवं समुदाय में जागरूकता लाने के लिए प्रेरित किया गया।

बिना पंजीयन पैरामेडिकल संस्थान का संचालन पर गुरुकुल पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट सील

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- जिले में शैक्षणिक संस्थानों के संचालन में निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करने तथा विद्यार्थियों के हितों की रक्षा के लिए जिला प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देशन में ग्राम तिलसिवां स्थित गुरुकुल पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट को बिना पंजीयन संचालित पाए जाने पर सील कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुरुकुल पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट में अध्ययनरत डी.एम.एल.टी. एवं बी.एम.एल.टी. पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को मुख्य परीक्षा से वंचित किए जाने तथा उनका शैक्षणिक वर्ष प्रभावित होने संबंधी शिकायत जिला प्रशासन को प्राप्त हुई थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मामले की जांच कराई गई। जांच में पाया गया कि संबंधित संस्थान का छत्तीसगढ़ पैरामेडिकल काउंसिल, रायपुर में पंजीयन नहीं था। इस पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.



प्रशांत सिंह, तहसीलदार श्री सूर्यकांत साय तथा नर्सिंग होम एक्ट के नोडल अधिकारी डॉ. राजेश श्रेष्ठ एवं उनकी टीम की उपस्थिति में गुरुकुल पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट को सील करने की कार्रवाई की गई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि दी है जिले में संचालित अन्य

संबंधित संस्थानों की भी जांच की जाएगी। जांच के दौरान पंजीयन, मान्यता एवं निर्धारित मापदंडों के पालन की स्थिति का परीक्षण किया जाएगा। किसी भी संस्थान में नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सूरजपुर में रेडक्रॉस को मिलेगी नई पहचान, तीन अधिकारियों को मिली जिम्मेदारी

शोमनाथ चौबे जिला रेडक्रॉस अधिकारी नियुक्त, अंतरराष्ट्रीय रेफरी गौस बेग और सुरविंद गुर्जर बने सहायक अधिकारी गोपाल सिंह विद्रोही



अधिकारियों की नियुक्ति की है। राज्य शाखा द्वारा जारी आदेश क्रमांक क./रेसो/स्था./2026/2035 के अनुपालन में कलेक्टर एवं जिला शाखा से प्राप्त प्रस्ताव तथा चेयरमैन बाबूलाल अग्रवाल की अनुशंसा के आधार पर यह नियुक्तियां की गई हैं। इससे जिले में स्वास्थ्य जागरूकता, रक्तदान, प्राथमिक उपचार और जरूरतमंदों की सहायता से जुड़े सेवा कार्य को बेहतर तरीके से आगे बढ़ाने की उम्मीद है।



मुख्य जिम्मेदारी - आदेश के अनुसार, माध्यमिक शाला नरैशपुर, विकासखंड प्रतापपुर में पदस्थ वरिष्ठ शिक्षक शोमनाथ चौबे को जिला रेडक्रॉस अधिकारी बनाया गया है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल रेफरी, पूर्व खेल अधिकारी एवं छत्तीसगढ़ शासन के वीर हनुमान सिंह पुरस्कार से सम्मानित पीटीआई शिक्षक मो. गौस बेग को सहायक जिला रेडक्रॉस अधिकारी नियुक्त किया



गया है। वे शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कंदरई में पदस्थ हैं। इसके अलावा हाई स्कूल लांजी, विकासखंड सूरजपुर के शिक्षक सुरविंद कुमार गुर्जर को भी सहायक अधिकारी का दायित्व सौंपा गया है। तीनों अधिकारियों को अपने मौजूदा शासकीय कार्यों के साथ रेडक्रॉस की जिम्मेदारियां भी निभानी होंगी। आदेश में जिला कलेक्टर रेडक्रॉस कार्यालय में

प्रतिदिन उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे संगठन के कामकाज में नियमितता और बेहतर समन्वय बना रहे।

सेवा कार्यों को गांवों तक पहुंचाने की जरूरत - रेडक्रॉस का नाम आते ही संकट में मदद, रक्तदान और मानवता की सेवा का भाव सामने आता है। कई बार किसी परिवार के लिए समय पर मिली सहायता बड़ी राहत बन जाती है। ऐसे में जिला स्तर पर व्यवस्था मजबूत होने से जरूरतमंदों को लाभ मिलने की संभावनाएं बढ़ेंगी।

नई नियुक्तियों से प्रशासनिक कामकाज को गति देने के साथ स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता, आपातकालीन सहायता और सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों को बेहतर ढंग से दिशा देगी तथा जरूरत के समय सहायता की आस लगाए बैठे लोगों को राहत मिल सकेगी।

में लोगों तक इन सेवाओं की जानकारी पहुंचाना और जरूरत के समय सहायता उपलब्ध कराना अहम रहेगा।

जिम्मेदारी के साथ बढ़ेंगी लोगों की उम्मीदें - राज्य शाखा का यह निर्णय सूरजपुर में रेडक्रॉस की जिला इकाई को सक्रिय बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। अब नियुक्त अधिकारियों के सामने अपने नियमित दायित्वों के साथ सेवा गतिविधियों को धरातल पर प्रभावी बनाने की जिम्मेदारी होगी।

किसी भी संस्था की पहचान उसके आदेशों से नहीं, बल्कि जरूरतमंदों तक पहुंचने वाली मदद से बनती है। ऐसे में जिलेवासियों को उम्मीद है कि नई जिम्मेदारियों के साथ स्वास्थ्य सेवा और जनकल्याण के कार्यों को नई दिशा देगी तथा जरूरत के समय सहायता की आस लगाए बैठे लोगों को राहत मिल सकेगी।

संक्षिप्त समाचार

असंगठित कर्मकारों के बच्चों की शिक्षा को प्रोत्साहन दे रही शासन

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-छत्तीसगढ़ शासन श्रम विभाग द्वारा असंगठित कर्मकारों के बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने एवं उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से असंगठित कर्मकार के मेधावी बच्चों हेतु प्रोत्साहन योजना प्रारंभ की गई है। यह योजना असंगठित कर्मकार सामाजिक सुरक्षा अधिनियम, 2008 की धारा 3 की उपधारा (4) के अंतर्गत जारी अधिसूचना के माध्यम से लागू की गई है। श्रम अधिकारी ने जानकारी दी है कि योजना के अंतर्गत पात्र पंजीकृत असंगठित कर्मकारों के प्रथम दो बच्चों को शैक्षणिक उपलब्धियों के आधार पर एकमुश्त प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। यह लाभ शैक्षणिक वर्ष में केवल एक बार दिया जाएगा। जिसके अंतर्गत कक्षा 10वीं अथवा 12वीं के छात्र को 5,000 रुपये तथा छात्रा को 5,500 रुपये की प्रोत्साहन राशि, समस्त स्नातक स्तर की कक्षा के छात्र को 7,000 रुपये तथा छात्रा को 7,500 रुपये, समस्त स्नातकोत्तर स्तर की कक्षा के छात्र को 10,000 तथा छात्रा को 10,500 रुपये, समस्त व्यावसायिक एवं प्रोफेशनल शिक्षा छात्र को 12,000 रुपये तथा छात्रा को 12,500 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 10वीं अथवा 12वीं की परीक्षा में टॉप टेन में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 1,00,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि तथा दुपहिया वाहन कय करने हेतु 1,00,000 रुपये की सहायता का प्रावधान किया गया है। सामान्य शैक्षणिक प्रोत्साहन राशि के लिए संबंधित कक्षा अथवा पाठ्यक्रम में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक अथवा समकक्ष ग्रेड प्राप्त करने वाले विद्यार्थी पात्र होंगे। साथ ही विशेष प्रोत्साहन के लिए अधिसूचना में निर्धारित शर्तों का पालन करना होगा। योजना श्रमिक परिवारों के प्रतिभाशाली बच्चों को आगे की पढ़ाई के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान करने तथा उन्हें उच्च शैक्षणिक लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रेरित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। श्रम विभाग द्वारा पात्र हितग्राहियों से अपील की जाती है कि वे योजना की विस्तृत पात्रता, आवश्यक दस्तावेज एवं आवेदन प्रक्रिया की जानकारी संबंधित श्रम कार्यालय से प्राप्त करें तथा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन करें और योजना का लाभ उठाएं।

राशनकार्डधारियों के लिए जरूरी सूचना, ई-केवाईसी कराने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत जिले में प्रचलित राशनकार्डों के सभी पंजीकृत सदस्यों का ई-केवाईसी सत्यापन कराना अनिवार्य कर दिया गया है। जिले में वर्तमान में शेष बचे 27,339 सदस्यों का सत्यापन करने के लिए 30 अक्टूबर 2026 की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है।

राशन दुकानों पर ई-पास और फेंस ऑथेंटिकेशन से होगा ई-केवाईसी- खाद्य अधिकारी ने बताया कि राशनकार्ड में दर्ज सभी शेष सदस्य अपने नजदीकी शासकीय उचित मूल्य दुकान में जाकर ई-पास मशीन अथवा फेंस ई-केवाईसी के माध्यम से अपना वेरिफिकेशन तुरंत पूर्ण करा सकते हैं। प्रशासन द्वारा बचे हुए सदस्यों के भौतिक सत्यापन के दौरान यदि कोई सदस्य अपने निवास स्थान पर नहीं पाया जाता है या उसकी मृत्यु हो चुकी है, तो स्थानीय निकाय के माध्यम से उसका नाम राशनकार्ड से निरस्त करने की त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश स्थानीय निकायों को जारी किया गया है।

दिव्यांग, बुजुर्ग, पिछड़ी जनजाति हितग्राहियों के लिए विशेष व्यवस्था- ऐसे हितग्राही जो विशेष पिछड़ी जनजाति में आते हैं, दिव्यांग हैं या अल्पभिक्ष बुजुर्ग हैं और किसी कारणवश ई-केवाईसी पूर्ण नहीं हो पा रहा है, उनके लिए प्रशासन द्वारा ऐसे सदस्यों की एक पृथक सूची उनके आवश्यक दस्तावेजों के साथ तैयार कर स्थानीय निकाय में जमा कराई जा रही है ताकि उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। खाद्य विभाग ने जिले के सभी राशनकार्ड धारकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की असुविधा या राशन बंद होने की स्थिति से बचने के लिए 30 अक्टूबर 2026 तक अपनी नजदीकी राशन दुकान पर जाकर अपना ई-केवाईसी अनिवार्य रूप से पूरा करवा लें ताकि किसी भी प्रकार की समस्या न हो।

प्राकृतिक आपदा से पीड़ित 10 परिवारों को 40 लाख रूपए की आर्थिक सहायता

जगदलपुर/ कलेक्टर बस्तर श्री आकाश छिकारा द्वारा जिले के प्राकृतिक आपदा पीड़ित 10 परिवारों को 40 लाख रूपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है। इसके अंतर्गत तहसील बस्तर के ग्राम छिंदगांव की निवासी पदमनी की मृत्यु तालाब पानी में डुबने से पिता श्री भास्कर को तथा तहसील करायण्ड अंतर्गत ग्राम सतोषा के लालती की मृत्यु आकाशी बिजली गिरने से पिता श्री शत्रुघ्न को और ग्राम पोलेबेड़ा के मनबोध की मृत्यु कुंआ के पानी में डूबने से पत्नी श्रीमती सनमती को, तहसील भानपुरी अंतर्गत ग्राम कावड़गांव के निवासी भगवती की मृत्यु सांप काटने से पिता तुलाराम मौर्य को तथा ग्राम खण्डसरा के निवासी सोनमती की मृत्यु सांप काटने से पति श्री गणेश यादव को, ग्राम भानपुरी बड़ेपारा के निवासी तीरनाथ की मृत्यु कुएं में गिरने से पत्नी श्रीमती हेमवती यादव को, ग्राम सालेमेठा के निवासी सविता की मृत्यु सांप काटने से पिता श्री कलानाथ को।

दिशा कॉलेज में ‘माई भारत’ के ‘विकसित भारत युवा संवाद’ में शामिल हुए सांसद

■ सीने में आग, मुँह में शक्कर, सिर में बर्फ़ और पैर में चक्कर रखने वाला ही सच्चा युवा: बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर के दिशा कॉलेज में गुरुवार को ‘माई भारत’ के तत्वावधान में आयोजित ‘विकसित भारत युवा संवाद’ (नौ वोट) कार्यक्रम में सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद करते हुए लोकतंत्र के महत्व, मतदान के सही मापदंड और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की सक्रिय भागीदारी पर अपने विचार साझा किए।

कार्यक्रम के दौरान छात्रा करीना डेका द्वारा पहली बार वोट डालते समय निर्णय लेने के आधार को लेकर पूछे गए सवाल पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने युवाओं को स्पष्ट दृष्टिकोण दिया। उन्होंने कहा कि युवा केवल 15 से 30 वर्ष की उम्र का दायरा



नहीं है। युवा वह है- जिसके सीने में आग हो, जिसके मुँह में शक्कर हो, जिसके सिर में बर्फ़ हो और जिसके पैर में चक्कर हो। यदि 80 वर्ष के व्यक्ति में भी ये चारों गुण मौजूद हैं, तो वह भी वास्तव में युवा है। यदि हम

खुद को युवा मानते हैं, तो ये चारों गुण हमारे आचरण और सोच में दिखने चाहिए। वैश्विक तुलना और स्थानीय परिस्थितियों पर बात रखते हुए श्री अग्रवाल ने कहा कि आज का युवा सोशल मीडिया

के ज़रिये पूरी दुनिया से जुड़ा है। अक्सर हम सोचने लगते हैं कि जो अमेरिका, जापान या जर्मनी में होता है, वह हमारे यहाँ क्यों नहीं हो सकता? लेकिन ऐसा सोचते समय हम अपने देश की विशाल आबादी और भौगोलिक विविधताओं को भूल जाते हैं। हमें समझना होगा कि हिमाचल के पहाड़ों में रहने वाले लोगों की ज़रूरतें अलग हैं और पोर्ट ब्लेयर में रहने वालों की अलग। स्वयं हमारे छत्तीसगढ़ जैसे छोटे राज्य में ही सरगुजा, बस्तर और मैदानी इलाकों की ज़मीनी परिस्थितियाँ व वातावरण पूरी तरह भिन्न हैं।

श्री अग्रवाल ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि जब आप पहली बार मतदान करने जाएँ, तो यह सोचें कि विकास को प्राथमिकता कौन दे सकता है। शिक्षा, सड़क, बिजली और पानी जैसी मूलभूत आवश्यकताओं का स्थायी समाधान किसकी नीति में है?

माउण्ट आबू में रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी को मिला सम्मान

■ दस कोटि नशा मुक्ति जन प्रतिज्ञा महाअभियान में रायपुर पहले स्थान पर...



वर्चुअल शुभारम्भ 2 अगस्त 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नशामुक्त युवा फ़ॉर विकसित भारत कार्यक्रम के अन्तर्गत किया गया था। इसमें मेडिकल विंग द्वारा दस कोटि जन प्रतिज्ञा हासिल करने का लक्ष्य रखा गया था जिसमें से अब तक पूरे देश में कुल आठ कोटि जनप्रतिज्ञा हासिल की जा चुकी है। रायपुर सेवाकेन्द्र की इस उपलब्धि पर माउण्ट आबू में आयोजित वैश्विक शिखर सम्मेलन में मेडिकल विंग के सचिव डॉ. बनारसी शाह और जाने-माने कैंसर सर्जन डॉ. अशोक मेहता द्वारा

रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी को विशेष स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार ग्रहण करते समय इन्दौर जोन की क्षेत्रीय निदेशिका ब्रह्माकुमारी हेमलता दीदी भी उपस्थित थी। रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने नशामुक्ति जनप्रतिज्ञा महाअभियान में सहयोग प्रदान करने के लिए जिला प्रशासन सहित नगर के विभिन्न स्कूलों, कालेजों, सामाजिक संगठनों और प्रबुद्धजनों का आभार माना है जिनके सहयोग से यह कार्य सम्भव हो सका।

प्राकृतिक आपदा से पीड़ित 10 परिवारों को 40 लाख रूपए की आर्थिक सहायता

जगदलपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टर बस्तर श्री आकाश छिकरा द्वारा जिले के प्राकृतिक आपदा पीड़ित 10 परिवारों को 40 लाख रूपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है।

इसके अंतर्गत तहसील बस्तर के ग्राम छिंदगांव की निवासी पदमनी की मृत्यु तालाब पानी में डूबने से पिता श्री भास्कर को तथा तहसील करपावण्ड अंतर्गत ग्राम सतोषा के लालती की मृत्यु आकाशीय बिजली गिरने से पिता श्री शत्रुघ्न को और ग्राम पोलेखंडा के मनबोध की मृत्यु कुंआ के पानी में डूबने से पत्नी श्रीमती सनमती को, तहसील भानपुरी अंतर्गत ग्राम कावड़गांव के निवासी भगवती की मृत्यु सांप काटने से पिता तुलाराम मौर्य को तथा ग्राम खडसरा के निवासी सोनमती की मृत्यु सांप काटने से पति श्री गणेश यादव को, ग्राम

भानपुरी बड़ेपारा के निवासी तीरनाथ की मृत्यु कुएं में गिरने से पत्नी श्रीमती हेमबती यादव को, ग्राम सालेमेटा के निवासी सविता की मृत्यु सांप काटने से पिता श्री कलानाथ को, तहसील बकावण्ड अन्तर्गत ग्राम फरसीगांव के निवासी धनर कश्यप की मृत्यु गड्डे के पानी में डूबने से पत्नी श्रीमती दिलेश्वरी को, तहसील तोकापाल ग्राम करंजी के निवासी चंदन की मृत्यु कुंआ के पानी में डूबने से पिता श्री रामचंद्र को तथा तहसील लोहण्डीगुड़ा ग्राम अमलीधार के निवासी लखूराम की मृत्यु नदी के पानी में डूबने से पत्नी श्रीमती सिलदर्द कश्यप को चार-चार लाख रूपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है। उक्त सहायता राशि संबंधितों के बैंक खाते में डीपीटी के माध्यम से अंतरित किए जाने के निर्देश संबंधित तहसीलदारों को दिए गए हैं।

वर्ष 2027 में होने वाले भव्य पंचकल्याणक महोत्सव हेतु मुनिश्री आदित्यसागर जी महाराज ससंघ को भेंट किया श्रीफल

व्यावर (विश्व परिवार)। व्यावर के अजमेर रोड स्थित श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में वर्ष 2027 में आयोजित होने वाले भव्य पंचकल्याणक महोत्सव के निमित्त उदयपुर में विराजमान श्रुतसंवेगी परम पूज्य मुनिश्री 108 आदित्यसागर जी महाराज ससंघ के श्रीचरणों में श्रीफल अर्पित कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया गया।

इस अवसर पर मंदिर में आयोजित होने वाले पंचकल्याणक महोत्सव के सफ़्त, निर्विघ्न एवं भव्य आयोजन की मंगल कामना की गई। पूज्य मुनिश्री के दर्शन कर उपस्थित श्रद्धालुओं ने धर्म-लाभ प्राप्त किया तथा महोत्सव के माध्यम से धर्म प्रभावना और समाज में धार्मिक संस्कारों के प्रसार की मंगल भावना व्यक्त की।

पंचकल्याणक महोत्सव जैन धर्म का एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक आयोजन है, जिसमें भगवान के गर्भ,



जन्म, तप, ज्ञान एवं मोक्ष कल्याणक की महिमा का वर्णन किया जाता है। यह महोत्सव श्रद्धालुओं को अहिंसा, संयम, त्याग और आत्मकल्याण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। वर्ष 2027 में प्रस्तावित इस भव्य धार्मिक आयोजन को लेकर जैन समाज में उत्साह एवं श्रद्धा का वातावरण है। इस अवसर पर श्री 1008 पार्श्वनाथ

भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय मुख्य कार्यकारी अध्यक्ष वीर नरेश चन्द जैन को श्रद्धांजलि समर्पित की

ललितपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जैन मिलन की एक शोक सभा में राष्ट्रीय मुख्य कार्यकारी अध्यक्ष वीर नरेश चन्द जैन आनंद चौक, देहरादून के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया



एकता एवं जैन संस्कारों के संवर्धन में उन्होंने अविस्मरणीय योगदान दिया, वह हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत बना रहेगा। क्षेत्रीय मुख्य प्रचार संयोजक विशाल जैन

व्यक्तित्व केवल जीवन नहीं जीते, बल्कि अपने कर्मों से ऐसी अमिट छाप छोड़ जाते हैं, जो समय के प्रवाह में भी कभी धूमिल नहीं होती। यह अवसान एक ऐसे ही कर्मनिष्ठ व्यक्तित्व की विदाई है, जिसकी कमी लंबे समय तक अनुभव की जाती रहेगी। अन्य वक्ताओं ने कहा इस दुःखद घड़ी में मेरी गहन संवेदनाएँ शोकाकुल परिवार के साथ हैं। अंत में वीर प्रभु महावीर स्वामी से प्रार्थना की गयी कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकसंतप्त परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति, धैर्य एवं संबल प्रदान करें।

बड़ामलहरा में 2027 में 3 अप्रैल से 8 अप्रैल तक भव्य पंचकल्याणक महा महोत्सव

बड़ामलहरा (विश्व परिवार)। बुंदेलखंड की पावन धरा और सिद्ध क्षेत्र श्री द्रोणगिरि जी की निकटतम धर्म नगरी बड़ामलहरा में इतिहास रचने जा रहा है। वैभव जैन बड़ामलहरा ने बताया कि नगर के सकल जैन समाज और सकल दिगंबर जैन पंचायत बड़ामलहरा द्वारा निर्णय लिया गया है कि आगामी वर्ष 2027 में 3 अप्रैल से 8 अप्रैल तक भव्य पंचकल्याणक महा महोत्सव एवं महामस्तकाभिषेक का आयोजन किया जा रहा है। वैभव जैन ने कहा कि यह पंचकल्याणक श्रमण संस्कृति के महामहिम पट्टाचार्य परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य में संपन्न होगा।

स्थान की महिमा: बड़ामलहरा नगरी द्रोणगिरि सिद्ध भूमि का



प्रवेश द्वार है। द्रोणगिरि वह सिद्ध भूमि है जहाँ से असंख्य मुनिराजों ने मोक्ष प्राप्त किया है। ऐसी सिद्ध भूमि के निकट जिनबिंब पंचकल्याणक होना, स्वयं में एक महा पुण्य है। श्रमण संस्कृति के महामहिम आचार्य श्री का सान्निध्य: आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज वर्तमान युग के प्रखर वक्ता, ओजस्वी संत हैं। आपके सान्निध्य में होने वाला पंचकल्याणक निश्चित ही

महापौर परिषद की बैठक में विकास कार्यों की मिली मंजूरी

■ रोड, नाली, विद्युतीकरण एवं पाईप लाईन विस्तार सहित दुकानों के प्रीमियम निर्धारण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर लिया गया निर्णय

राजनांदागंव (विश्व परिवार)। महापौर श्री मधुसूदन यादव की अध्यक्षता में महापौर परिषद की बैठक निगम स्थित महापौर कक्ष में संपन्न हुई। बैठक में निर्माण कार्य हेतु निविदा दर की स्वीकृति, पाईप लाईन विस्तार, विद्युतीकरण, सहित निगम स्वामित्व की दुकानों के नवीन प्रीमियम दर का अनुमोदन सहित जाति प्रमाण पत्र बनाने जाने संबंधी विषयों पर चर्चा उपरांत निर्णय लिया गया।

महापौर श्री यादव ने बैठक के संबंध में बताया कि 15वें वित्त आयोग अंतर्गत वार्डों और मोक्ष कल्याणक का दृश्य मंचन होगा।



रोड, नाली निर्माण, इंटरलाकिंग कार्य सहित अधोसंरचना विकास योजनांतर्गत लखौली कन्हारपुरी से मोहारा बाईपास तक 208.32 लाख रु के आहुत निविदा तथा रेवाडीह चैक से गोकुल नगर तक नाला निर्माण हेतु 250.00 लाख रु. के आहुत निविदा में प्राप्त न्यूनतम दर की अनुशंसा की गयी। इसी प्रकार 15वें आयोग अंतर्गत जिला अस्पताल के पास से महामाया चैक तक तथा महाजन बाड़ी से स्टेशन पारा तक 250 एमएम डाया डीआई पाईप लाईन विस्तार के लिए प्राप्त न्यूनतम दर की स्वीकृति प्रदान की गयी।

विवेकानंद नगर में आयम्बिल तप के 80 साधकों का हुआ सामूहिक पारणा

■ लाभार्थी परिवार ने तपस्वियों का पारणा कराकर किया सम्मान

■ नौ दिवसीय शाश्वत नवपद ओली की आराधना पूर्ण

रायपुर (विश्व परिवार)। विवेकानंद नगर स्थित श्री ज्ञानवल्लभ उपाश्रय में सर्वमंगलमय वर्षावास के तहत 18 अक्टूबर से चल रही नौ दिवसीय शाश्वत नवपद ओली आराधना 27 अक्टूबर को पूर्ण हुई। आराधना के दौरान प्रतिदिन करीब 80 साधकों ने आयम्बिल तप किया। समापन पर मुनिश्री संवेगरत्न सागरजी म.सा. आदि ठाणा की पावन निश्रा में सामूहिक पारणा हुआ।

चातुर्मास समिति के अध्यक्ष जसराज लुनिया और महासचिव



सुरेश बारडिया ने बताया कि नवपद ओली आराधना में साधकों ने नौ दिनों तक प्रतिदिन एक समय और एक स्थान पर बैठकर एकासना किया। इस दौरान नमक, तेल, खटाई, मिर्च और मसालों का सेवन नहीं किया। साथ ही तेल, धो, दूध, दही, मक्खन और शक्कर सहित छह विगय का त्याग रखा।

आराधना पूर्ण होने पर 27 अक्टूबर को सुबह 9 बजे श्री रत्नप्रभुसुरीश्वर भवन में सामूहिक पारणा हुआ। इस अवसर पर लाभार्थी परिवार ने सभी तपस्वियों का सम्मान किया। उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं ने तपस्वियों के तप की अनुमोदना की। 28 अक्टूबर से सर्वमंगलमय वर्षावास के तहत प्रतिदिन प्रवचन सहित अन्य धार्मिक आयोजन नियमित रूप से शुरू हो गए हैं।

आचार्य श्री विनम्रसागरजी महाराज के सान्निध्य में भक्तामर महामहोत्सव का छठा दिन संपन्न

■ प्रवचन के माध्यम से धर्माराधना, आत्मशुद्धि और सदाचरण का संदेश

छत्रपति संभाजीनगर (विश्व परिवार)। श्री भक्तामर महामंडल विधान एवं पूजन महोत्सव के छठे दिन परम पूज्य उच्चारणाचार्य आचार्य भगवंत श्री विनम्रसागरजी महाराज के पावन सान्निध्य में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुए। इस अवसर पर देशमुखनगर में चातुर्मास कर रहीं पूज्य आर्थिकारत्न विनयश्री माताजी ससंघ का विधान स्थल पर मंगल पदार्पण हुआ। उनके आगमन से उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं में उत्साह और भक्ति का वातावरण निर्मित हुआ।

इस पावन आयोजन में भक्तामर महामंडल विधान, संगीतमय पूजन एवं विभिन्न धार्मिक अंशुनों के माध्यम से जिनेंद्र भगवान की आराधना की गई।



आचार्य श्री विनम्रसागरजी महाराज के सान्निध्य में धर्माराधना का लाभ लेने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पादप्रक्षालन एवं अरती का सौभाग्य

महोत्सव के छठे दिन आचार्य श्री

विनम्रसागरजी महाराज के पादप्रक्षालन का सौभाग्य संजय पहाड़े, सौ. अनिता पहाड़े, सौ. रक्षा पहाड़े एवं सौरभ पहाड़े परिवार को प्राप्त हुआ। वहीं, मंगल अरती करने का सौभाग्य मंदाबाई शामलाल पहाड़े

परिवार को मिला।

कार्यक्रम की प्रस्तावना पंचायत अध्यक्ष महावीर पाटनी ने प्रस्तुत की। दीप प्रज्वलन चंद्रसागर धर्मशाला एवं वेरूळ क्षेत्र के पदाधिकारियों द्वारा किया गया। पूज्य आर्थिकारत्न विनयश्री माताजी के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही।

प्रवचन में धर्माचरण का संदेश

इस अवसर पर आचार्य श्री विनम्रसागरजी महाराज ने अपने मंगल सदाचरण के महत्व को विस्तार से समझाया। उन्होंने संदेश दिया कि धार्मिक विधि-विधानों के साथ जीवन में संयम, विनय, करुणा और आत्मचिंतन की भी महत्व देना आवश्यक है। जिनेंद्र भगवान की भक्ति केवल कर्मकांड तक सीमित नहीं रहनी

चाहिए, बल्कि वह व्यक्ति के आचरण और व्यवहार में भी दिखाई देनी चाहिए।

भक्तामर स्तोत्र का श्रद्धापूर्वक पाठ, विधान में अर्घ्य समर्पण एवं पूजन के माध्यम से श्रद्धालुओं ने अपनी भक्ति भावना व्यक्त की। गुरुजनों का सान्निध्य, साधु-संतों के दर्शन और धर्मविचारों का श्रवण आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है। इस धार्मिक आयोजन से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक प्रेरणा एवं धर्मलाभ प्राप्त हुआ।

आयोजकों ने श्रद्धालुओं से महोत्सव के आगामी धार्मिक कार्यक्रमों में भी अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने का आह्वान किया।

उक्त जानकारी प्रचार-प्रसार संयोजक नरेंद्र अजमेरा एवं पिण्ण कासलीवाल, छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) ने दी।

पीपला फाउंडेशन बना रहा है डिजिटल पोर्टल ‘एक क्लिक में चरौदा’

आरंग (विश्व परिवार)। स्वयंसेवी सामाजिक संगठन पीपला वेलफेयर फ़ाउंडेशन ने ग्रामीणों के साथ मिलकर ग्राम चरौदा को आदर्श ग्राम बनाने का लक्ष्य रखा है। संस्था ग्रामीणों के साथ मिलकर अधिकारियों के मार्गदर्शन में लक्ष्य निर्धारित कर उन बिंदुओं को पूरा करने का प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में संस्था ने ग्राम को डिजिटल बनाने की दिशा में एक अनोखी पहल करते हुए ‘एक क्लिक में चरौदा’ नामक डिजिटल पोर्टल लॉन्च करने जा रही है। इस पोर्टल के माध्यम से ग्राम से जुड़ी सभी मूलभूत जानकारीयां एक ही क्लिक में उपलब्ध होंगी। इस पोर्टल में ग्राम का क्षेत्रफल, जनसंख्या, शासकीय कर्मचारी, कलाकार, कवि, साहित्यकार, रामायण मंडली, लीला मंडली, पंथी दल, जस-झांकी दल, देवी-देवताओं की जानकारी, तालाबों व चौक-चौराहों,



ग्राम के खारों के नाम, पंचायत प्रतिनिधि, पूर्व सरपंच, स्कूल, चरौदा निवासी शासकीय कर्मचारी, स्वच्छता दीदी, ग्राम के गौरव एवं ग्राम विकास समिति सहित अन्य महत्वपूर्ण जानकारीयों को सहेजा जा रहा है। इस संबंध में ग्राम के सरपंच देवशरण धीवर ने कहा कि पीपला फ़ाउंडेशन की यह पहल अत्यंत सराहनीय है। इससे हमारे गांव की पूरी जानकारी एक जगह डिजिटल रूप में सुरक्षित रहेगी और आने वाली पीढ़ी को भी गांव के इतिहास और संस्कृति की जानकारी आसानी से मिल सकेगी।

